भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 906

जिसका उत्तर 21 नवम्बर, 2019 को दिया जाना है।

.....

नदियों को जोड़ना

906. श्री देवुसिंह चौहान:
श्री केसिनेनी श्रीनिवास:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार की राष्ट्रीय संदर्शी योजना के अन्तर्गत नदियों को जोड़ने की नदी/राज्य-वार वर्तमान स्थिति क्या है तथा प्रत्येक नदी को जोड़ने पर कितनी धनराशि खर्च होने का अनुमान है;

(ख) क्या इस संबंध में कतिपय राज्यों से कोई सुझाव/अनुरोध/आपत्तियां प्राप्त हुई हैं तथा क्या कृष्णा-गोदावरी को जोड़ने के लिए आन्ध्र प्रदेश से कोई अनुरोध प्राप्त हुआ है और यदि हां, तो उस पर की-गई-कार्यवाही का तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) अब तक इस प्रयोजन हेतु आवंटित/जारी की गई/खर्च की गई धनराशि का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार द्वारा परियोजना से संभावित रूप से प्रभावित होने वाले क्षेत्र में रहने वाले लोगों की आजीविका पर पड़ने वाले प्रभाव का सामाजिक प्रभाव और पर्यावरणीय आकलन किया गया है/अथवा किए जाने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) प्रत्येक नदी को कब तक जोड़ने का कार्य शुरू होने/पूरा होने तथा इससे क्या लाभ होने की संभावना है?

उत्तर

जल शक्ति और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री रतन लाल कटारिया)

(क) और (ख) अगस्त, 1980 में तत्कालीन सिंचाई मंत्रालय (अब जल शक्ति मंत्रालय) ने अंतर बेसिन जल अंतरण के जरिए जल संसाधनों के विकास हेतु एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की थी जिसका उद्देश्य जल की अधिकता वाले बेसिनों से जल की कमी वाले बेसिनों में जल अंतरण करना है। एनपीपी के अंतर्गत, राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) ने साध्यता रिपोर्टें (एफआर) तैयार करने हेतु 30 नदी जोड़ों (प्रायद्वीपीय घटक के तहत 16 तथा हिमालयी

घटक के तहत 14) की पहचान की है। उपर्युक्त नदी जोड़ परियोजनाओं का ब्यौरा, अर्थात नदी, संबंधित राज्यों का नाम **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

एनपीपी के तहत प्रायद्वीपीय नदी घटक के तहत प्राथमिकता वाले चार नदी जोड़ों अर्थात केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना (केबीएलपी), दमनगंगा-पिंजाल नदी जोड़ परियोजन , पार-तापी-नर्मदा नदी जोड़ परियोजना और गोदावरी-कावेरी नदी जोड़ परियोजनाओं की भी विस्तृत परियोजना रिपोर्टें तैयार करने के लिए, पहचान की गई है। संबंधित राज्यों को केबीएलपी, दमनगंगा-पिंजाल नदी जोड़ परियोजना और पार-तापी-नर्मदा नदी जोड़ की डीपीआर भेज दी गई है।

इसके अतिरिक्त, तीन परियोजनाओं अर्थात गोदावरी (इंचमपल्ली/जनमपेट)-कृष्णा (नागार्जुन सागर), कृष्णा (नागार्जुन सागर)-पेन्नार (सोमासिला), पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड ऐनीकट) नदी जोड़ परियोजनाओं को शामिल करते हुए गोदावरी-कावेरी जोड़ परियोजना की डीपीआर का मसौदा तैयार कर लिया गया है और मार्च, 2019 में पक्षकार राज्यों को परिचालित कर दिया गया है।

एनपीपी के अंतर्गत, नदियों को जोड़ने (आईएलआर) संबंधी परियोजनाओं के 4 प्राथमिकता जोड़ों के अनुमानित लागत के ब्यौरे को **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु सरकार ने गोदावरी-कावेरी जोड़ परियोजना की मसौदा डीपीआर के संबंध में सुझाव/टिप्पणियां दी हैं, जोकि विचाराधीन है।

(ग) किसी भी प्रकार की निधि को आबंटित/जारी/खर्च नहीं किया गया चूंकि कोई भी आईएलआर परियोजना कार्यान्वयन के चरण में नहीं पहुंची थी।

(घ) प्रत्येक नदी जोड़ परियोजनाओं की डीपीआर की तैयारी के समय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की पर्यावरणीय मूल्यांकन समिति (ईएसी) द्वारा अनुमोदित विचारार्थ विषयों के अनुसार विस्तृत पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) अध्ययन किए गए। पर्यावरणीय प्रभावों तथा ईआईए अध्ययनों के द्वारा सामने आए मुद्दों का निदान पर्यावरणीय प्रबंधन योजना के द्वारा किया गया है जोकि डीपीआर का एक भाग है।

परियोजना प्रभावित लोगों के पुनर्वास और पुनर्स्थापन (आर एवं आर) योजना के संबंध में सामाजिक-आर्थिक प्रभाव मूल्यांकन किसी भी जोड़ परियोजना के कार्यान्यवन का एक महत्वपूर्ण भाग है तथा इसे डीपीआर में शामिल किया गया है।

(ङ) नदी जोड़ परियोजनाओं के कार्यान्वयन में विभिन्न कदम शामिल हैं जैसे साध्यता पूर्व रिपोर्टों/साध्यता रिपोर्टों लिंकों की तैयारी करना, संबंधित राज्यों के बीच बातचीत तथा तालमेल बिठाना, परियोजनाओं की डीपीआर की तैयारी करना, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, जनजातीय मंत्रालय से स्वीकृतियां, जल शक्ति मंत्रालय की सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण और बहुउद्देशी परियोजना संबंधी सलाहकार समिति द्वारा तकनीकी-आर्थिक स्वीकृति और निवेश स्वीकृति।

परियोजना के कार्यान्वयन को उसकी डीपीआर की तैयारी तथा अपेक्षित सांविधिक स्वीकृतियों को प्राप्त करने के पश्चात संबंधित राज्यों के साथ सहमति बनाकर कार्यान्वित किया जाएगा।

एनपीपी के कार्यान्वयन से बाढ़ नियंत्रण, सूखा उपशमन, नैविगेशन, जलापूर्ति, मछली पालन, लवणता और प्रदूषण नियंत्रण इत्यादि संयोगिक लाभों के अलावा सतही जल से सिंचाई को 25 मिलियन हेक्टेयर, भूजल के बढ़े प्रयोग से 10 मिलियन, 140 मिलियन हेक्टेयर से 175 मिलियन हेक्टेयर अंतिम सिंचाई क्षमता में वृद्धि और 34 मिलियन किलो वाट विद्युत का लाभ होगा।

*****

अनुलग्नक-I

"नदियों को जोड़ना" विषय पर दिनांक 21.11.2019 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 906 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

अंतर-बेसिन जल अंतरण नदी जोड़ों के नाम, शामिल राज्य, नदियों के नाम और साध्यता रिपोर्टों/विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की स्थिति

क्र.□□	□□□	नदियां	संबंधित राज्य	□□□□ □□/□□ □□/□□□□ □□ की स्थिति
प्रायद्वीपीय घटक				
1	महानदी (मणिभद्रा)-गोदावरी (दोलेश्वरम) जोड़	महानदी और गोदावरी	ओडिशा, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, कर्णाटक छत्तीसगढ़	साध्यता रिपोर्ट (एफआर) पूरी कर ली गई है।
2	गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (पुलीचिंतापा) जोड़	गोदावरी और कृष्णा	-वही-	साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
3	गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुनसागर) जोड़	गोदावरी और कृष्णा	ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक और छत्तीसगढ़	साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
4	गोदावरी (पोलावरम)-कृष्णा (विजयवाड़ा) जोड़	गोदावरी और कृष्णा	ओडिशा, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक छत्तीसगढ़	साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
5	कृष्णा (अलमत्ती)- पेन्नार जोड़	कृष्णा और पेन्नार	-वही-	साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
6	कृष्णा (श्रीसैलम)-पेन्नार जोड़	कृष्णा और पेन्नार	-वही-	साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
7	कृष्णा (नागार्जुनसागर)-पेन्नार (सोमासिला) जोड़	कृष्णा और पेन्नार	महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश और कर्नाटक	साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
8	पेन्नार (सोमसिला)-कावेरी (ग्रैण्ड एनीकट) जोड़	पेन्नार और कावेरी	आन्ध्र प्र , कर्नाटक, तमिलनाडु केरल और पुदुच्चेरी	साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
9	कावेरी (कट्टालाई)-वैगई-गुंडार जोड़	कावेरी, वैगई और गुंडार	कर्नाटक, तमिलनाडु केरल, और पुदुच्चेरी	साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
10	केन-बेतवा जोड़	केन और बेतवा	उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश	साध्यता रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (चरण-I एवं II) पूरी कर ली गई हैं।
11	पार्वती-कालीसिंध-चंबल जोड़	पार्वती, कालीसिंध एवं चंबल	मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश (उत्तर प्रदेश ने सहमति बनाने के स विचार-विमर्श करने अनुरोध किया था)	साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
12	पार-तापी-नर्मदा जोड़	पार, तापी और नर्मदा	महाराष्ट्र और गुजरात	साध्यता रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
13	दमनगंगा-पिंजाल जोड़	दमनगंगा और पिंजाल	महाराष्ट्र और गुजरात	साध्यता रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।

14	बेदती-वर्दा जोड़	बेदती और वर्दा	महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश और कर्नाटक	पूर्व साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
15	नेत्रावती-हेमावती जोड़	नेत्रावती और हेमावती	कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल	पूर्व साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
16	पंबा-अच्चनकोविल-वैप्पार जोड़	पंबा, अच्चनकोविल और वैप्पार	केरल और तमिलनाडु	साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
हिमालयी घटक				
1.	मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) जोड़	मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा	असम, पश्चिम बंगाल, बिहार और भूटान	पूर्व साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
2.	कोसी-घाघरा जोड़	कोसी और घाघरा	बिहार, उत्तर प्रदेश और नेपाल	पूर्व साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
3.	गंडक-गंगा जोड़	गंडक और गंगा	-वही-	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। (भारतीय भाग)
4.	घाघरा-यमुना जोड़	घाघरा और यमुना	-वही-	साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। (भारतीय भाग)
5.	शारदा-यमुना जोड़	शारदा और यमुना	बिहार, उत्तर , हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड और नेपाल	साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। (भारतीय भाग)
6.	यमुना-राजस्थान जोड़	यमुना और सुकरी	उत्तर , गुजरात, हरियाणा और राजस्थान	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
7.	राजस्थान-साबरमती जोड़	साबरमती	-वही-	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
8.	चुनार-सोन बैराज जोड़	गंगा और सोन	बिहार और उत्तर प्रदेश	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
9.	सोन बांध-गंगा जोड़ की दक्षिणी उपनदियां	सोन और बदुआ	बिहार और झारखंड	पूर्व साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
10.	गंगा(फरक्का)-दामोदर-सुबर्णरेखा जोड़	गंगा, दामोदर और सुबर्णरेखा	पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
11.	सुबर्णरेखा-महानदी जोड़	सुबर्णरेखा और महानदी	पश्चिम बंगाल और ओडिशा	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
12.	कोसी-मेची जोड़	कोसी और मेची	बिहार, पश्चिम बंगाल और नेपाल	पूर्व साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है। पूरी तरह से नेपाल में पड़ता है
13.	गंगा (फरक्का)-सुंदरबन जोड़	गंगा और इच्छामती	पश्चिम बंगाल	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी कर ली गई है।
14.	जोगीघोपा-तीस्ता-फरक्का जोड़ (एम-एस-टी-जी का विकल्प)	मानस, तीस्ता एवं गंगा	-वही-	(एम-एस-टी-जी जोड़ का विकल्प) छोड़ दिया गया।

- पीएफआर-पूर्व साध्यता रिपोर्ट
- एफआर-साध्यता रिपोर्ट
- डीपीआर-विस्तृत परियोजना रिपोर्ट

अनुलग्नक-II

"नदियों को □□□□" विषय पर दिनांक 21.11.2019 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 906 □□□□ (□) □□ (□) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

चार प्राथमिकीकृत नदियों को जोड़ने संबंधी परियोजनाओं की अनुमानित लागत

क्र.□□	नदी जोड़ परियोजना का नाम	अनुमानित ला (करोड़ रूपए)	मूल्य स्तर
1	केन-बेतवा जोड़ परियोजना (व्यापक डीपीआर)	35111.24	2017-18
2	दमनगंगा-पिंजाल जोड़ परियोजना	2746.61	2012-13
3	पार-तापी-नर्मदा जोड़ परियोजना	10211.24	2014-15
4	गोदावरी(इंचमपल्ली/जनमपेट)-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) जोड़ परियोजना	विभिन्न विकल्पों में 60360.88 से 90562.56 तक भिन्नता है।	2018-19

- डीपीआर- विस्तृत परियोजना रिपोर्ट

*शेष बची जोड़ परियोजनाओं की लागत का संबंधित जोड़ परियोजनाओं की डीपीआर की तैयारी के बाद पता चलेगा।